

DEC 2022

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3026 D

Unique Paper Code : 2132101101

Name of the Paper : Applied Sanskrit

Name of the Course : Hons.

Semester : 1

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answers all questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र को मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

P.T.O.

3026

2

Section-A

1. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच पदों में सन्धि कीजिए : (5×1=5)

Join Sandhis in any five of the following :

गिरीशः, रमेशः, इत्यादि, विद्यालयः, वधूत्सवः, शिवोऽर्घ्यः, रामश्च, गंगोदकम्

2. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच पदों का विच्छेद कीजिए : (5×1=5)

Split sandhi in any five of the following :

दधि + उदकम्, रवि + इन्द्रः, देव + ऋषिः, महा + कर्मिः,

तौ + एव, शिवः + बन्धः, सत् + चित्, तत् + टीका

3. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच समस्तपदों का विग्रह कीजिए :
(5×2=10)

Split Samasa in any five of the following words :

राजपुरुषः, घनव्यागः, कुम्भकारः, रामलक्ष्मणौ, नीलकमलम्,

पीताम्बरः, अधिहरिः, हस्तलिखितम्

4. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं छह शब्दों में विभक्ति की पहचान कीजिए : (2×6=12)

3026

3

Identify the vibhakti in any six of the following sentences :

(i) गुरुवे नमः ।

(ii) शास्त्रायाः पुष्पाणि पतन्ति ।

(iii) वन्दे मातरम् ।

(iv) सिंहात् बिभेति ।

(v) पित्रा सह आगच्छति ।

(vi) जटाभिः तापसः प्रतीयते ।

(vii) गृहं परितः वृक्षाः सन्ति ।

(viii) उभयतः विद्यालयं युद्धाः सन्ति ।

(ix) हनुमते नमः ।

5. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं पांच पदों का प्रकृति प्रत्यय परिचय कीजिए : (5×1=5)

Write down the root and suffix of any five of the following words :

P.T.O.

3026

4

करणीयम्, शोचनीयः, इतः, पूजितव्या, पृष्टम्, धृतः, प्रष्टव्यम्, पातव्यम्

- (ख) निम्नलिखित में से प्रकृति-प्रत्यय को मिलाकर किन्हीं पाँच पदों का निर्माण कीजिए- (5×1=5)

Join the root and suffix of any five of the following words :

पठ्+अनीयर्, गम्+तव्यत्, वृश्+क्त, वच्+क्त, कृ+तव्यत्, हस्+तव्यत्, चल्+अनीयर्

Section-B

6. निम्न आठ शब्दों के निर्देशानुसार रूप लिखिए : (8×1=8)

Write the specific form of any eight of the following words :

- (i) कवि - द्वितीया विभक्ति बहुवचन
(ii) राम - प्रथमा विभक्ति द्विवचन
(iii) कवि - तृतीया विभक्ति बहुवचन
(iv) भानु - चतुर्थी विभक्ति एकवचन

3026

5

(v) विद्या - द्वितीया विभक्ति बहुवचन

(vi) गति - तृतीया विभक्ति द्विवचन

(vii) पुस्तक - द्वितीया विभक्ति द्विवचन

(viii) मनस् - सप्तमी विभक्ति द्विवचन

(ix) नदी - सप्तमी एकवचन

(x) आत्मन् - षष्ठी एकवचन

7. निम्न पाँच रूपों के धातु, लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए :

(5×2=10)

Write down the धातु, लकार, पुरुष and वचन of any five of the following :

स्तः, भविष्यसि, तुदेत्, विभेति, अगच्छत्, भवे, अदीव्यत्, करवाणि

Section-C

8. निम्न में से किन्हीं पाँच वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :

(5×2=10)

Translate any Five of the following sentences into Sanskrit.

P.T.O.

- (i) राम पुस्तक पढ़ता है ।
Ram is reading a book.
- (ii) मैं खाना खाता हूँ ।
I eat food.
- (iii) तुम पुस्तक लिख रहे हो ।
You are writing a book.
- (iv) वह रामायण पढ़ेगा ।
He will read the Ramayana.
- (v) पत्तों से पत्ते गिर रहे हैं ।
Leaves are falling from trees.
- (vi) वे अपने गाँव जाते हैं ।
They go to their village.
- (vii) मोहन सोहन को पुस्तक देगा ।
Mohan will give Sohan a book.
- (viii) तुम मेरे साथ विद्यालय जाते हो ।
You go to school with me.

- (ix) तुम सब कलम से लिखो ।
You write with a pen.

9. निम्नलिखित वाक्यों में से पाँच वाक्यों को शुद्ध कीजिए :
(5×2=10)

Correct any Five of the following sentences :

- (i) अहं सिष्ठति ।
(ii) चत्वारः पर्वतकाः जयपुरं अगच्छत् ।
(iii) अत्र दश फलानि अस्ति ।
(iv) बालः कुक्कुरेण विभेति ।
(v) नेत्रात् अन्यः ।
(vi) सूर्य कृपात् जलं पिबति ।
(vii) अहं त्वन्मित्रः सह गमिष्यामि ।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों का वाच्य परिवर्तन कीजिए :
(5×2=10)

Change the voice in any Five sentences of the following :

- (i) रामः पुस्तकं पठति ।
- (ii) सतया फलं स्वाद्यते ।
- (iii) छात्राः चित्रं पश्यन्ति ।
- (iv) तौ लेखं लिखतः ।
- (v) पाचकः भोजनं पचति ।
- (vi) अहं चित्रं पश्यामि ।
- (vii) ताः पाठान् अपठन् ।
- (viii) ताभ्यां धनं अलभ्यत ।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3052 **D**

Unique Paper Code : 2132101102 – DSC2

Name of the Paper : Classical Sanskrit Poetry

Name of the Course : B.A. (Hons.) SANSKRIT

Semester : 1

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

3052

2

1. निम्नलिखित पद्यों की सामुदाय व्याख्या लिखिए : (10×3=30)

Translate and explain the following verses.

- (क) लभेत सिकतासु तैलमपि यत्नतः पीडयन्
पिबेच्च मृगनुष्णिकामु सलिलं पिपासार्वितः ।
कदाचिदपि पर्यटञ्जलशविषाणमासादयेन्
न तु प्रतिनिविष्टमूर्खजनचित्तमाराधयेत् ॥

अथवा / Or

शिरः शर्वं स्वर्गात्यङ्गुपतिशिरस्तः क्षितिधरं
महीध्रादुत्तुंगादवनिमक्नेश्चापि जलधिम् ।
अधोऽधो गगैयं पदमुपगतास्तोकमथ वा
विवेकभ्रष्टानां भवति विनिपातः शतमुक्त्वा ॥

- (ख) यथा प्रसिद्धैर्मधुरं शिरोरुहैर्जटाभिरप्येवमभूत्तद्वाननम् ।
न घटपदश्रेणिभिरेव पट्टकजं सगैवलासद्गमपि प्रकाशते ॥

अथवा / Or

फलसं ययौ कन्दुकलीलयाऽपि या तथा मुनीनां चरितं व्यगाह्यत ।
धुवं ययुः काष्ठनपदनिर्मितं मृदु प्रकृत्या च ससारमेव च ॥

- (ग) स किं सखा साधु न शक्ति योऽधिपं हितान्न संशृणुते स किंप्रभु ।
सदाऽनुकूलेषु हि कुर्वते रतिं नृपेश्वमात्येषु च सर्वसम्पदः ॥

अथवा / Or

कथाप्रसंगेन जनैरदाहतादनृत्तास्वण्डलसूनुविक्रमः ।
तवाभिधानाद् व्यथते नताननः स दुःसहान्मन्यपदादिवोरगः ॥

3052

3

2. निम्नलिखित प्रश्नों का संविस्तर उत्तर दें- (12×3=36)

Write an answer of the following questions in details :

- (क) मूर्ख-पद्धति के आधार पर भर्तृहरिकालीन समाज की विविधता पर प्रकाश डालें ।

Highlight the diversity of Society of Bhartrihari-era on the basis of मूर्ख-पद्धति.

अथवा / Or

भर्तृहरि के नीतिशतक में वर्णित विविध प्रकार के मूर्खों का वर्गीकरण करें ।

Classify the different types of fools described in Bhartrihari's नीतिशतक.

- (ख) कुमारसम्भवम् के नामकरण के औचित्य को समझाएँ ।

Explain the rationale for naming कुमारसम्भवम्.

अथवा / Or

पार्वती की तपस्या के उत्तरोत्तर विकास पर निबन्ध लिखें ।

Write an Essay on the progressive development of Parvati's penance.

- (ग) किरतार्जुनीयम् में प्रवर्तित राजनीति को स्पष्ट करें ।

P.T.O.

3052

4

Elaborate the diplomacy prevailing in the Kiratarjuniyam.

अथवा / Or

वनेश्वर की राजनीतिक पटुता को समझाएं।

Explain the political acumen of वनेश्वर.

3. निम्न में से किसी एक सूक्ति की संस्कृत में व्याख्या करें - (9)

Explain any **One** of the following sayings in Sanskrit :

- (क) विभूषणं मौनमपण्डितानाम्
- (ख) प्रियेषु सौभाग्यफला हि धारता
- (ग) हितं मनोहारि च दुर्लभं वधः

4. निम्न में से किसी तीन पर टिप्पणी करें - (5×3=15)

Write short notes on any **Three** of the following :

- (क) सौन्दरनन्दम्
- (ख) चौरपञ्चाशिका
- (ग) श्रीहर्ष
- (घ) जयदेव
- (ङ) संस्कृत काव्य परम्परा में शिशुपालवध का स्थान
- (च) रघुवंश का महाकाव्यत्व

(1500)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3078 **D**

Unique Paper Code : 2132101103

Name of the Paper : Indian Social Institutions & Polity

Name of the Course : B.A. (Hons.), DSC-3

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer 5 questions in all but attempt at least two from each section.
4. All questions carry equal marks. (18×5=90)

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

3078

2

2. इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दीजिए किन्तु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं।
4. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। (18×5=90)

भाग-1 (Part 1)

1. भारतीय सामाजिक चिन्तन में धर्म की अवधारणा पर एक लेख/निबन्ध लिखिए।

Write an essay on the concept of Dharma in Indian Culture.

2. षोडश संस्कार समग्र मानव विकास की योजना है। इस कथन को व्याख्यायित कीजिए।

Shodash Samskara is the plan of overall human development. Explain this statement.

3078

3

3. पुरुषार्थ चतुष्टय से आप क्या समझते हैं? प्रत्येक का विस्तार से वर्णन कीजिये।

What do you understand by Purusartha Chatushtaya? Describe each in detail.

4. भारतीय समाज में जाति-प्रथा के विकास को दर्शाते हुए इसके प्रभावों का उल्लेख कीजिए।

Depicting the development of caste system in Indian society and mention its effect.

भाग-2 (Part 2)

5. मनुस्मृति (अध्याय 7 पद्य 1 से 15) में वर्णित राजा के स्वरूप की समीक्षा कीजिये।

Critically discuss the nature of the king in the Manusmriti (Chapter VII, verse 1 to 15)

6. पशुपति के सिद्धान्त का निरूपण करके वर्तमान में इसकी प्रासंगिकता का विवेचन कीजिये।

P.T.O.

3078

4

Discuss the theory of six Gunas and its contemporary relevance.

7. कौटिल्य के मतानुसार राजा के कर्तव्यों का विवेचन कीजिये।

Discuss the duties of the king according to Kautilya.

(1500)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 3301 **D**

Unique Paper Code : 2131001002

Name of the Paper : Introductory Upanishad and
Geeta (Sanskrit B)

Name of the Course : **Common Group**

Semester : I

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question, answer should be written in Sanskrit or in Hindi or in English; but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

3301

2

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र को मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. ईशावास्योपनिषद् के अनुसार 'कर्म सिद्धान्त' पर एक लेख लिखिए। (15)

Write an article on the 'Doctrine of Karma' according to the *Ishavasyopanishad*.

अथवा/OR

ईशावास्योपनिषद् का सार अपने शब्दों में लिखिए।

Write the summary of *Ishavasyopanishad* in your own words.

3301

3

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (7.5×2=15)

Write short notes on any **Two** of the following :

उपनिषद्, सत्य का सिद्धान्त, आत्मन्

Upanishad, Concept of Satya, Atman

3. गीता के आधार पर भक्तियोग का वर्णन करें। (15)

Describe *Bhaktiyoga* on the basis of the Geeta.

अथवा/OR

हमें भगवद्गीता क्यों पढ़नी चाहिए ?

Why should we read Bhagwad Geeta?

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (7.5×2=15)

Write short notes on any **Two** of the following :

P.T.O.

3301

4

कर्मयोग, योग, ज्ञानयोग

Karmayoga, Yoga, Gyanayoga

(500)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3251 **D**

Unique Paper Code : 2131001002

Name of the Paper : Introductory Upanishad and
Geeta (Sanskrit B)

Name of the Course : **Common Group**

Semester : 1

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

1. ईशावास्योपनिषद् के अनुसार विद्या और अविद्या को समझाइए। (15)

Explain *Vidya* and *Avidya* according to the *Ishavasyopanishad*.

अथवा / OR

ईशावास्योपनिषद् की विषय वस्तु पर प्रकाश डालिए।

Describe the contents of *Ishavasyopanishad*.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (7.5×2=15)

Write short notes on any **Two** of the following :

सत्य, आत्मन्, उपनिषद्, कर्म

Satya, Atman, Upanishad, karma

3. गीता के आधार पर कर्मयोग का वर्णन कीजिए। (15)

Describe *Karmayoga* on the basis of the *Geeta*.

अथवा / OR

वर्तमान में गीता का क्या महत्त्व है ?

What is the significance of *Geeta* at Present?

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(7.5×2=15)

Write short notes on any **Two** of the following :

भक्तियोग, ज्ञानयोग, गीता का उद्देश्य

Bhaktiyoga, Gyanayoga, Purpose of Geeta

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3300

D

Unique Paper Code : 2131001001

Name of the Paper : Advance Neeti literature in
Sanskrit (Sanskrit A)

Name of the Course : Common Group

Semester : 1

Duration : 2 Hours

Maximum Marks : 60

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

3300

2

1 निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(15×2=30)

Answer any two of the following :

(क) नीतिकाव्यों की विशिष्टता पर प्रकाश डालिए।

Enlighten the importance of Nitikavyas.

(ख) हितोपदेश के अनुसार "विद्या ददाति विनयं" की समीक्षा कीजिए।

Discuss the "विद्या ददाति विनयं" according to Hitopadesh.

(ग) मित्रभेद के अनुसार "यस्यार्थः स पुमांल्लोके" को स्पष्ट कीजिए।

Explain the "यस्यार्थः स पुमांल्लोके" according to Mitrabheda.

(घ) मित्रभेद के अनुसार षण्णित्य कर्म जीवनस्थापन का सर्वोत्तम साधन है, विवेचन कीजिए।

Business work is the best means of living according to Mitrabheda, Discuss it.

3300

3

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों का संक्षिप्त उत्तर दीजिए :

(10×2=20)

Write short answer any two of the following :

(क) हितोपदेश के अनुसार युणीपुत्र के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

Explain the importance of noble son according to Hitopadesh.

(ख) चाणक्य के अनुसार व्यावहारिक जीवन में किन पांच वस्तुओं का ज्ञान होना आवश्यक है ?

Which five things are necessary to have knowledge in practical life according to Chanakya.

(ग) "देवरक्षित सुरक्षित" का क्या तात्पर्य है ?

What is the meaning of "देवरक्षित सुरक्षित" ?

(घ) मित्रभेद के अनुसार "चतुर्गण्डलावस्थापन" किसे कहते हैं ?

What are "चतुर्गण्डलावस्थापन" called according to

P.T.O.

3300

4

Mitrabheda.

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : (5×2=10)

Write short notes any two of the following :

(क) कथासरित्सागर का वैशिष्ट्य

(ख) पंचतन्त्र का वैशिष्ट्य

(ग) हितोपदेश का वैशिष्ट्य

(घ) चाणक्यनीति का वैशिष्ट्य

(500)

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4455 **C**

Unique Paper Code : 12133901

Name of the Paper : Acting & Script Writing

Name of the Course : B.A. (Hon.) SEC, LOCF

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. All questions are compulsory. Attempt question no. 4 in Sanskrit Language only.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

4455

2

2. इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में कीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न संख्या 4 का उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है।

भाग क (Part A)

1. लोकधर्मी तथा नाट्यधर्मी अभिनय के मध्य के अन्तर स्पष्ट कीजिए। (10)

Explain the difference between Lokadharmi and Natyadharmi act.

अथवा / OR

संवाद से आप क्या समझते हैं? नाटक में प्रयोज्य संवाद के सभी प्रकारों का वर्णन कीजिए।

What do you understand by dialogue? Describe all types of communication of Drama.

2. कथावस्तु की परिभाषा देते हुए आधिकारिक और प्रासंगिक कथावस्तु का विस्तार से वर्णन कीजिए। (10)

4455

3

Giving the definition of the dramatical plot, describe the Principal and Subsidiary Plot in detail.

अथवा / OR

नाटक में समय, स्थान और कार्य, का महत्त्व विस्तारपूर्वक निरूपित कीजिए।

Elaborate the importance of time, place, and action in drama.

3. अभिनय के प्रकारों को सटीक उदाहरणों से स्पष्ट करें। (10)

Explain the types of acting with accurate examples.

अथवा / OR

अभिज्ञानशाकुन्तल नाटक के प्रसंग में पूर्वरंग और प्रस्तावना पर विस्तृत निबन्ध लिखें।

Write a detail note on purvraga and Prastavana in the context of Abhigyanshakuntala.

P.T.O.

4455

4

4. निम्नलिखित प्रश्न का संस्कृत-भाषा में उत्तर दीजिए : (7)

Answer the following question in Sanskrit Language :

नाटक के लिए भूमिका-निर्धारण के सामान्य नियमों का विस्तार से वर्णन कीजिए ।

Explain in detail the general rules for assigning the role of a play.

अथवा / OR

नाट्यप्रयोक्ताओं की आवश्यकता और महत्त्व पर सारगर्भित निबन्ध लिखिए ।

Write a concise essay on the need and importance of the member of theatrical group.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर लघु निबन्ध लिखिए : (5×5=25)

Write short notes on any Five of the following :

(i) विदग्ध अभिनेता

(Learned actor)

4455

5

(ii) विष्कम्भक

(Vishkambhak)

(iii) अभिज्ञानशकुन्तल का सूत्रधार

(Sutradhara of Abhigyanshakuntalam)

(iv) कुशीलय

(Musicians)

(v) नान्दी

(Nandi)

(vi) कुशल अभिनेता

(Skillful actor)

(vii) अपकारितम्

(Confidential communication)

(viii) नाट्यकार

(Playwright)

P.T.O.

4455

6

6. निम्नलिखित में से किन्हीं तेरह प्रश्नों का संक्षिप्त उत्तर दीजिए :-

(13×1=13)

Write short answer of any **Thirteen** of the following :

- (i) नाट्यशास्त्र के रचयिता
(Writer of Natyashastra)
- (ii) नाट्यप्रयोगोत्सव के सदस्यों के नाम
(Name the members of the theatrical group)
- (iii) अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक का विदुषक
(Jester of the Abhigyan Shakuntala)
- (iv) अर्थोपदेशकों के नाम
(Name of Interludes)
- (v) सर्वश्राव्य संवाद
(Aloud communication)
- (vi) मंचाध्यक्ष
(Stage Director)

4455

7

- (vii) नट
(Actor)
- (viii) विरूपभूमिका
(Viroopa role)
- (ix) अकाशभाषितम्
(Akasha-bhashita)
- (x) पटकथा
(Script Writing)
- (xi) अभिद्वन्द्वनृत्य
(Abiddha natya)
- (xii) नाट्यशास्त्र में नर्तक
(Dancer in Natyashastra)
- (xiii) जनान्तिका
(Janantika)

P.T.O.

4455

8

(xiv) रंगद्वार

(Ranga-dwara)

(xv) स्वगत संवाद

(Swagata communication)

(xvi) अर्थप्रकृति

(Arthaprakriti)

(xvii) विदूषक

(Vidooshaka)

(1000)

3

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4486

C

Unique Paper Code : 12131301

Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature
(Drama)

Name of the Course : B.A. (H) Sanskrit - Core

Semester : III

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer All questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

4486

2

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए: (3×4=12)

Translate the following:

- (क) कस्यार्थः कलशेन को मृगयते वासो यथानिरीधत
दीक्षां पारितवान् किमिच्छति पुनर्दयं गुरोर्वद भवेत् ।
आत्मानुग्रहमिच्छतीह नृपजा धर्माभिरामजिया,
यदयस्यास्ति समीप्सितं वदतु तत् कस्यादय किं दीयताम् ॥

अथवा / OR

किं प्रकृत्यतीति इदयं परिशुद्धिकित मे
कन्या मयाप्यपहृता न च रक्षिता सा ।
भार्यैश्चलैर्महदवाप्तगुणोपधात्
पुत्रः पितुर्जनितरोष इवारिम भीतः ॥

4486

3

- (ख) तीव्राधातपतिहततरुः स्कन्धधरत्वग्नैकदन्तः
पादाकृष्टवततिवलयसवुगमंजातपाशः ।
मूर्त्तं विघ्नस्तपस इव नो भिन्नसारङ्गयूथो
धर्मोरेण्य प्रविशति गजः स्यन्दनालोकभीतः ॥

अथवा / OR

अभिज्ञलवती भर्तुः श्लाघ्ये स्थिता गृहिणीपदे
विभवगुरुभिः कृत्यैस्तस्य प्रतिकर्णमाकुला ।
तनयमधिरात् प्राथीवार्क प्रसूय च पावनं
मम विरहजां न त्वं वत्से ! शुचं शण्डिष्यसि ॥

- (ग) अप्राज्ञेन च कातरेण च गुणः स्यादभविष्युक्तेन कः
प्रजाविक्रमशालिनोऽपि हि भवेत्किं भवितहीनात्फलम् ।
प्रजाविक्रमभक्तयः समुदितः येषां गुणा भूतये
ते भूत्या नृपतेः कलत्रमितरे संपत्सु चापत्सु च ॥

अथवा / OR

कर्णेनैव विषाडुगनेकपुरुषव्यापादिनी रक्षिता
हन्तु शक्तिरिवाजुनं बलवती या चन्द्रगुप्तं मया ।
सा विष्णोरिव विष्णुगुप्तहत्कस्यात्यन्तिकशैयसे
हृदिम्बैयमिचैत्य पर्वतनृप तद्वत्पयमैवावधीत् ॥

P.T.O.

4486

4

2. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (3×6=18)

Explain the following with reference to context :

- (क) पूर्वं त्वयाप्यशिमत् गतमेवमासी-
च्छलाद्य गमिष्यसि पुनर्विजयेन अर्तुः ।
कालक्रमेण जगतः परिवर्तमाना
यत्रारपक्तिरिव गच्छति भाग्यपक्तिः ॥

अथवा / OR

क. क शक्तो रक्षितुं मृत्युकाले
रज्जुच्छेदे के घट धारयन्ति ।
एवं लोकस्तुल्यधर्मा वनानां
काले-काले छिद्यते स्मरते च ॥

- (ख) यदालोके सूक्ष्मं व्रजति सहस्रा तद्विपुलतां
यदर्थं विचिञ्चनं भवति कृतसंधानमिव तत् ।
प्रकृत्या यदवक्रं तदपि समरेखं नयनयो-
र्न मे दूरे किञ्चित्क्षणमपि न पार्श्वे रथजवात् ॥

अथवा / OR

यस्य त्वया वृणविरोपणमिङ्गुदीनां
तैलं न्यविच्यत मुखे कुशसूचिविदधे ।
श्यामाकमुष्टिपरिवर्धितको जहाति
सोऽयं न पुत्रकृतकः पदवीं मृगस्ते ॥

- (ग) कन्या तस्य वधाय या विषमयी गूढं प्रयुक्ता मया
 देवात्पर्वतकस्तया स मिह तो यस्तस्य राज्यादंधहत् ।
 ये शस्त्रेषु रसेषु च प्रणिहितास्तीरिव ते घातिता
 मीर्यस्यैव फलन्ति परय विविधश्रेयांसि मन्नीतयः ॥

अथवा / OR

ये याताः किमपि प्रधाय हृदये पूर्वं गता एव ते
 ये तिष्ठन्ति भवन्तु तेऽपि गमने कामं प्रकामोद्यमाः ।
 एका केवलमेव साधनविधौ सेनाशतेभ्योऽधिका
 नन्दोन्मूलनदृष्टवीर्यमहिमा बुद्धिस्तु मा गान्मम ॥

3. निम्नलिखित में से किसी एक की संस्कृत में व्याख्या कीजिए :

(1×7=7)

Explain any one of the following in Sanskrit :

चीयते बलिशस्यापि सत्क्षेत्रपतिता कृषिः ।
 न शालेः स्तम्बकरिता वपुर्गुणमपेक्षते ॥

अथवा / OR

P.T.O.

4486

6

गच्छति पुरः शरीरं धावति पश्चात्संस्तुतं चैतः ।
वीनाशुक्तिविक्रमो प्रतिवाते नीयमानस्य ॥

अथवा / OR

कातरा येष्यशक्ता वा नोत्साहस्तेषु जायते ।
प्रायेण हि नरेन्द्रश्रीः सोत्साहैरेव भुज्यते ॥

4. प्रश्न संख्या प्रथम के रेखांकित पदों से किन्हीं चार पर व्याकरणालम्बक टिप्पणी कीजिए :- (2×4=8)

Write grammatical notes on any four of the underlined word from the question number one.

5. राक्षस के द्वारा चन्द्रगुप्त को मारने के लिए प्रयुक्त विविध उपायों का वर्णन कीजिए । (1×15=15)

Describe the various plans that were executed by Raksasa in its attempts to kill Chandragupta.

86

7

अथवा / OR

'स्वप्नवासवदत्तम्' नाटक के नामकरण पर प्रकाश डालते हुए ब्राह्मचारी के आगमन का महत्त्व समझाइए ।

Throw the light on the nomenclature of the drama 'Svapnavasavadattam' and explain the importance of arrival of Brahmachari.

अथवा / OR

अभिज्ञानशाकुन्तलम् के चतुर्थ अंक का महत्त्व बताइए ।

Bring out the importance of the fourth act of 'Abhijnanasakuntalam'.

संस्कृत नाटकों के स्वरूप का वर्णन कीजिए । (1×15=15)

Discuss the nature of Sanskrit drama.

अथवा / OR

P.T.O. 6

4486

8

निम्नलिखित में से किसी दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any **two** of the following :

भवभूति, भास, कालिदास, शूद्रक

(2000)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3760 C

Unique Paper Code : 12135902

Name of the Paper : Indian Culture and Social
Issues

Name of the Course : B.A. (H) Sanskrit : Generic
Elective (GE)

Semester : III

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer all questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

3760

2

2. इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (15×4=60)

Answer any **four** questions of the following:

(i) भारतीय संस्कृति पर लेख लिखिए।

Write a note on Indian culture.

(ii) सिन्धु सभ्यता की प्रमुख विशेषताओं पर निबन्ध लिखिए।

Write an essay on the main characteristics of Sindhu civilization.

(iii) भारतीय पञ्चाङ्ग के अनुसार भारतीय कृषि से सम्बन्धित एवं मौसमी त्यौहारों का वर्णन कीजिए।

Describe Indian agricultural and seasonal festivals according to Indian calendar.

3760

3

(iv) परम्परागत वर्ण व्यवस्था को अश्वघोष के अनुसार स्पष्ट कीजिए।

Explain the traditional varna system according to Ashvaghosha.

(v) द्रौपदी के प्रश्नों पर धृतराष्ट्र की सभा की प्रतिक्रिया का वर्णन करें।

Explain the responses of Dhritrashtra's sabha of Draupadi's questions.

(vi) सम्पत्ति में नारी के संघर्ष पर आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए।

Write a critical note on the struggle of women for the right to property.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:

(5×3=15)

Write short notes on any **three** of the following:

(i) कालिदास के रघुवंश में चित्रित राम

Ram in Kalidas's Raghuvansh

(ii) गीतगोविन्द एवं ओडिशी

P.T.O.

3760

4

Geetgovind and Odissi

(iii) पण्डवानी

Pandavani

(iv) यक्षगान

Yakshgan

(v) धर्म का निरन्तर विकासशील स्वरूप

Developing form of Dharma

(500)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4530 C

Unique Paper Code : 12131303

Name of the Paper : Indian Social Institutions &
Polity

Name of the Course : B.A. Hons. LOCF, Sanskrit,
Core

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. All questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही रूपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

4530

2

2. इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. अधोलिखित में से किन्हीं चार के उत्तर दें - (15×4=60)

Answer any **four** from the following :

- (i) महाभारतकालीन समाज में नारी की स्थिति का वर्णन करें।

Describe the position of women in the Mahabharata Society.

- (ii) संस्कृत साहित्य में वर्णित भारतीय सामाजिक संस्थाओं की अवधारणा स्पष्ट करें।

Explain the concept of Indian social institutions as described in Sanskrit literature.

- (iii) वैदिक साहित्य में भारतीय राजशासन का परिचय प्रस्तुत कीजिए।

Give the introduction of Indian polity in Vedic literature.

4530

3

- (iv) मनु के अनुसार राजा के कर्तव्यों का वर्णन कीजिए।

Elucidate duties of King according to Manu.

- (v) भारतीय राजशासन के प्रमुख सिद्धान्तों का परिचय प्रस्तुत कीजिए।

Give the introduction of important principles of Indian polity.

- (vi) राजनीतिशास्त्र के उद्भव तथा विकास पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on origin and development of Indian Polity.

2. किन्हीं तीन पर टिप्पणी करें - (3×3=9)

Comment upon any **three** of the following :

धर्म, ज्ञानि उत्कर्ष एवं उपकार, सत्सत्य सिद्धान्त, शुक्रनीति

3. निम्नलिखित में से किसी एक की संस्कृत व्याख्या करें - (1×6=6)

Explain any **one** of the following in Sanskrit-

- (i) सर्वोपजीवक लोकस्थितिकुलीतिशास्त्रकम्।

धर्मार्थकाममृत हि स्मृत मोक्षप्रद यतः ॥

P.T.O.

4530

4

(ii) वेदः स्मृतिः सदाचारः स्वल्पं च प्रियात्मनः ।
एतत्तत्तुर्विधं प्राहुः साक्षाद्दर्शस्य त्साक्षरम् ॥

(iii) पूज्या सालयितव्यास्तु स्त्रियो नित्यं जन्वाद्यपि ।
स्त्रियो यत्र च पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता ॥

(2000)

[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4507

C

Unique Paper Code : 12131302

Name of the Paper : Poetics and Literary Criticism

Name of the Course : B.A. (H) Sanskrit

Semester : III

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer All questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

4507

2

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. काव्यशास्त्र के विभिन्न नामों का परिचय लिखिए। (10)

Write an introduction to the different nomenclatures of poetics.

OR / अथवा

आचार्य मम्मट के अनुसार काव्य-हेतु की समीक्षा कीजिए।

Critically examine the cause of Kavya (काव्य-हेतु) according to Acharya Mammata.

2. काव्यप्रकाश में निरूपित काव्य-लक्षण की समीक्षा कीजिए। (10)

Critically examine the definition of Kavya (काव्य-लक्षण) as described in Kavyaprakash.

OR / अथवा

रूपक को परिभाषित करते हुए उसके भेदों पर प्रकाश डालिए।

Define Rupaka and describe the its types.

4507

3

3. विश्वनाथ के अनुसार महाकाव्य का लक्षण लिखिए और उसके भेदों पर प्रकाश डालिए। (10)

Write the definition of Prose and throw light on the types of Prose according to Vishvanath.

OR / अथवा

महाकाव्य और खण्डकाव्य का परिचय दीजिए।

Write an introduction to Mahakavya and Khandakavya.

4. मम्मट के अनुसार शब्दशक्ति के रूप में लक्षणा की समीक्षा कीजिए। (8)

Critically examine the Lakshana Shabdshakti according to Mammata.

OR / अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।

Write short notes on any two of the following :

- (i) काव्य-भेद
- (ii) सात्यवर्ष
- (iii) कान्तासम्मित उपदेश
- (iv) व्यंजना

P.T.O.

5. भारत के रससूत्र की अनुमितिविवाद-व्याख्या का मूल्यांकन कीजिए। (11)
Evaluate the explanation of Anumitivada on Bharata's Rasasutra.

OR / अथवा

रस की अलौकिकता की व्याख्या कीजिए।

Explain the transcendental Nature (Alaukikata) of Rasa.

6. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो अलंकारों का उदाहरण सहित लक्षण लिखिए जिनमें से एक संस्कृत में हो - (5×2=10)

Write the Definition of any two of the following figures of speech with example; out of which one must be in Sanskrit -

श्लेष, उपमा, रूपक, व्यतिरेक, अनिश्चयान्ति

- (ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पद्यों में अलंकार का लक्षण घटित करते हुए नाम-निर्देश कीजिए - (3×2=6)

Explain and name the figures of speech used in any two of the following verses -

- (i) सुभगमलिलवगाहाः फटसंसर्गयुतभिरनवाताः ।
प्रच्छन्नयमुलभनिद्रा दिवसा परिणामरणीयाः ॥

- (ii) लिम्पतीव तमोऽद्गानि वर्षतीवाञ्जनं नभः ।
अस्यगुरुषमेवेव दृष्टिविफलतां गता ॥
- (iii) मूलेषु रतिमपु निरायतपूर्वकाया
विश्वरूपधामरशित्वा निभृतोद्यकर्णाः ।
आत्मोद्भूतेरपि रजोभिरलङ्घनीया
धावन्यमी युगजवाक्षममेव रथ्याः ॥
- (iv) तपति तनुगात्राणि मदनस्त्वामनिशं मां
पुनर्दहत्येव
अनपति यथा शशांकं न तथा हि कुमुदनी
दिवसः ॥

- (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो छंदों का लक्षण एवं गणनिर्देश पूर्वक उदाहरण दीजिए - (3×2=6)

Define and illustrate any two of the following Meters -

अर्धा, द्रुतविभक्ति, शिखरिणी, उपेन्द्रवज्रा

- (ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो में गणनिर्देश करते हुए छन्द का नाम बताइए - (2×2=4)

Scan and name the meter in any two of the followings -

- (i) कृष्णसारे तदप्यक्षुत्स्वपि चाधिर्यवकार्मुके ।
मृगानुसारिण साक्षान्पश्यामीव पिनाकिनम् ॥
- (ii) अन्तर्हिते जशनि सैव वमुदनी मे
दृष्टि न सन्दपति संस्मरणीय शोभा
इष्टप्रकलजनितान्पबलाजनस्य
दुःखानि नूनयातिमात्रमुदुःसहानि ॥
- (iii) मोचायः शुक्रमर्भकोटरमुखध्रष्टास्तनूनामधः
प्रमिमग्धा क्वचिद्विदमुदोक्तभिदः मृष्यन्त
एवोपलाः ।
विश्रवालोपशमादभिन्तगतयः जय्यं सहस्ते मृगाः
स्तोषाधमपभाद्यः
तत्कलशिश्वानिधन्द्रेस्वाहिकताः ॥
- (iv) सरसिजमनुचिद्ध शैवलेनापि रम्यं
मलिनमपि सिमाशीर्लक्ष्म लक्ष्मी सनोति ।
इयमधिकमनोज्ञा बल्कलेनापि तन्वी
किमिव हि नधुराणां मण्डन नाकृतीनाम् ॥

[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4200 C

Unique Paper Code : 12137902

Name of the Paper : Art of Balanced Living

Name of the Course : B.A. (H), DSE - LOCF

Semester : V

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer all questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

4200

2

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(12×3=36)

Answer any three of the following questions:

- (i) बृहदारण्यकोपनिषद् के आधार पर आत्मज्ञान के साधन श्रवण-मनन एवं निदिध्यासन के स्वस्व का वर्णन कीजिए।

Describe the nature of Hearing (śravaṇa), Reflection (manana) and meditation (nididhyāsana) as method of Self-presentation on the basis of Brhadāranyakopaniṣad.

- (ii) 'योग' शब्द को स्पष्ट करते हुए आधुनिक परिदृश्य में योग के महत्त्व को समझाइये।

Explain the importance of yoga in modern perspective by clarifying the word 'Yoga'.

4200

3

- (iii) पातञ्जलयोगदर्शन में वर्णित योग के बहिरंग साधनों का वर्णन कीजिए।

Describe the external means of Yoga described in the Yoga philosophy of Patanjali.

- (iv) क्रियायोग का अर्थ स्पष्ट करते हुए चित्तप्रसादन के उपायों का वर्णन कीजिए।

Explaining the meaning of Kriyā Yoga, describe the methods of chittaprasadana.

- (v) गीता के आधार पर सन्तुलित जीवन के लिए "ध्यान-योग" की महत्ता का वर्णन कीजिए।

Describe the importance of Dhyāna-Yoga for balanced living on the basis of Gita.

2. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए:

(5×5=25)

Explain the following:

- (i) अध्यात्मज्ञाननित्यत्वं तत्त्वज्ञानार्थदर्शनम्।

एतज्ज्ञानमिति प्रोक्तमज्ञानं यदतोऽन्यथा ॥

P.T.O.

4200

4

अथवा / OR

यं हि न व्यथयन्त्येते पुरुषं पुरुषार्थम् ।
समदुःखसुखं धीरं सोऽमृतत्वाय कल्पते ॥

- (ii) संकल्पप्रधानकामास्त्यक्त्वा सर्वनिर्जेषतः ।
मनसेवेन्द्रियद्वारं विनियम्य समन्ततः ॥

अथवा / OR

यतो यतो निश्चरति मनश्चञ्चलमस्थिरम् ।
ततस्ततो नियम्येतावान्मनो वशं नयेत् ॥

- (iii) मन्मथा भव मद्भक्तो मद्याजी मां नमस्कुरु ।
मानेवेश्वासि मुफत्सर्वमानानां मत्परायणः ॥

अथवा / OR

समोऽहं सर्वभूतेषु न मे द्वेषोऽस्ति न प्रियः ।
मे भजन्ति तु मां भक्त्या मयि ते तेषु चाप्यहम् ॥

- (iv) सन्नियम्येन्द्रियद्वारं सर्वत्र समबुद्धयः ।
ते प्राप्नुयन्ति मामेव सर्वभूतहिते रताः ॥

4200

5

अथवा / OR

ये तु धर्म्यामृतमिदं यथोक्तं पठुं पासते ।
श्रद्धाधाना मत्परा भाक्तास्तेऽतीव मे प्रियाः ॥

- (v) यजशिष्टांशिनः सन्तो मुच्यन्ते सर्वकिल्बिषैः ।
भुञ्जते ते त्वधं पापा ये पचन्त्यात्मकारणात् ॥

अथवा / OR

यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनः ।
स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते ॥

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए : (3.5×2=7)

Explain any two of the following :

- (i) चितिशक्तिरपरिणामिन्यप्रतिसङ्क्रमा दर्शितविषया शुद्धा चानन्ता च ।
(ii) दृष्टानुश्रविकविषयवितुष्णस्य वशीकारसंज्ञा वैराग्यम् ।
(iii) नासतो विद्यते भावो नाभावो विद्यते सतः ।

P.T.O.

4200

6

4. निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए :

Explain any **one** of the following in Sanskrit : (7)

(i) समाधि

(ii) परवैराग्य

(iii) ध्यानयोग

(2000)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4340

C

Unique Paper Code : 12137908

Name of the Paper : Fundamentals of Ayurveda

Name of the Course : B.A. (H) DSE

Semester : V

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answers all questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

4340

2

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. अष्टाहम आयुर्वेद का वर्णन करें। (15)

Describe the eight components of Ayurveda (Astanga Ayurveda).

अथवा / Or

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए -

Comment on any **three** of the following :

त्रिदोष, पञ्चमहाभूत, त्रिगुण, वाजीकरण, पथ्य-अपथ्य।

2. भारतीय आयुर्वेद की ऐतिहासिक परम्परा का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए। (15)

Describe the historic tradition of Indian ayurved in detail.

अथवा / Or

4340

3

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए -

Write short notes on any **three** of the following :

(i) आयुर्वेद की प्रमुख विशेषताएं।

(ii) स्वस्थ

(iii) दिनचर्या

(iv) वर्षाऋतुचर्या

(v) शीष्मऋतुचर्या

3. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए - (15)

Write short notes on any **three** of the following :

चरक, सुश्रुत, वाग्भट, माधव, शार्ङ्गधर, भावमिश्र।

अथवा / Or

आयुर्वेद की पुनर्वसु की ऐतिहासिक परम्परा का विवेचन कीजिए।

Explain the historic tradition of Punarvasu.

4. ऋतु के अनुसार आहार विहार के लाभ का विवेचन कीजिए। (15)

P.T.O.

Discuss about the profit of food habit (ahara) and habits (vihar) as according to season.

अथवा / Or

हेमन्त, शिशिर एवं वसन्त ऋतु में पथ्य-अपथ्य का विवेचन कीजिए।

Describe regimen of fall winter (Hemanta), autumn (Sisira) & spring (Vasanta) seasons.

5. तैत्तिरीयोपनिषद् की भृगुवल्ली में वारुणि ने पिता से क्या जिज्ञासा की? और पिता ने क्या उत्तर दिया, संक्षेप में लिखिए। (15)

What did Vaaruni desire from his father in Bhriguvalli of Taittiriopnishad? And what did his father answer? Write briefly.

अथवा / Or

तैत्तिरीयोपनिषद् की भृगुवल्ली के अनुसार पञ्चभूतों की उत्पत्ति किससे हुई?

What are the causes for the development of five substances according to Bhriguvalli of Taittiriyopanishad?

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4613 C

Unique Paper Code : 12131502_OC

Name of the Paper : Sanskrit Grammar

Name of the Course : B.A. (H) (CBCS)

Semester : V

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्वया आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

4613

2

भाग क / Section A

1. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच पदों का सूत्र निर्देश पूर्वक संधि-विच्छेद कीजिए : (5×2=10)

Disjoin Sandhis in any five of the following quoting relevant sutras :

घात्वञ्शः, हरये, गङ्गोदकम्, सच्चित्तु, तन्मात्रम्, पुरुषो हसति, हरी रम्यः

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों की व्याख्या कीजिए : (4×2=8)

Explain and illustrate any two of the following :

मुख्यनासिकावचनोऽनुनासिकः, हलोऽनतन्तरः संयोगः, वृद्धिरेधि, ज्ञात्

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो संज्ञाओं की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए : (2×3=6)

Explain with examples any two technical terms of the following :

दीर्घः, अनुदात्तः, सङ्घिता, पदम्, इत्

4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रत्याहारों के वर्ण लिखिए : (4×1=4)

4613

3

Write the letters of any four of the प्रत्याहारः

अण, एच, र, भप्, स्वर, हश्, शश्

5. निम्नलिखित किन्हीं चार वर्णों के उच्चारण स्थान तथा आभ्यन्तर प्रयत्न लिखिए : (4×2=8)

Write the स्थान and आभ्यन्तर प्रयत्न of any four words of the following :

ओ, इ, छ, र, द, भ, ह, इ

भाग ख / Section B

6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों की व्याख्या कीजिए : (4×2=8)

Explain and illustrate any two of the following sutras :

समर्थःपदविधिः, अव्ययीभावे चाऽकाले, तृतीया तत्कृतार्थेन गुणवचनेन, न लोपो मज्जः, अल्पाच्चारम्

7. अन्विति 1 से तीन तथा अन्विति 2 से दो पदों को चुनकर कुल पांच पदों में सूचोत्प्रेषपूर्वक समास सिद्धि कीजिए : (5×3=15)

P.T.O.

4613

4

Choosing Three compounds from Unit 1 and two compounds from Unit 2, explain total five formations with relevant sutras with their names :

अन्विति 1

सुमद्रम्, पञ्चचगद्गम्, द्विजार्थः, राजपुरुषः, अश्राद्धानः

अन्विति 2

पीलाह्वारः, धवस्वद्विरौ, ईशकृष्णौ, पितरौ

8. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच का सूत्र निर्देश पूर्वक प्रकृति-प्रत्यय विभाग कीजिए : (5×2=10)

Split the base and suffixes in any five out of the following mentioning the sutr :

कारक, कर्ता, स्नातम्, एधनीयम्, पञ्चन्तम्, चेषम्, हसनम्

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों की व्याख्या कीजिए : (2×3=6)

Choosing two sutras explain and illustrate the following :

कर्मण्यण्, युवोरनाकौ, लटः शतृशानचावप्रथमासमानाधिकरणे, निष्ठा

(100)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4085 C

Unique Paper Code : 12131502

Name of the Paper : Sanskrit Grammar

Name of the Course : B.A. (H)

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

4085

2

भाग क / Section A

1. निम्नलिखित किन्हीं चार वर्णों के उच्चारण स्थान तथा आभ्यन्तर प्रयत्न लिखिए : (4×2=8)

Write the स्थान and आभ्यन्तर of any four words of the following :

ओ, इ, ए, उ, द, भ, च, इ

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो संज्ञाओं की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए : (2×3=6)

Explain with examples any two technical terms of the following :

दीर्घ, अनुदात्त, संहिता, पदान्, इत्

3. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रत्याहारों के वर्ण लिखिए : (4×1=4)

Write the letters of any four of the प्रत्याहार

अण्, एच, खट्, भट्, खट्, हश्, ञश्

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच पदों का सूत्र निर्देश पूर्वक संधि-विच्छेद कीजिए : (5×2=10)

4085

3

Disjoin Sandhis in any five of the following quoting relevant sutras :

धात्वन्शः, हरये, राङ्गोदकम्, सच्चित्, तन्मात्रम्, पुरुषो हसति, इरी रम्यः

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों की व्याख्या कीजिए : (4×2=8)

Explain and illustrate any two of the following :

मुख्यसिकावचनोऽनुनासिकः, हलोऽनन्तरः संयोगः, अकः सर्वेषु दीर्घा, वृद्धिरेचि, ज्ञात्

भाग ख / Section B

6. अन्विति 1 से तीन तथा अन्विति 2 से दो पदों को चुनकर कुल पांच पदों में सूत्रोल्लेखपूर्वक समाप्त सिद्धि कीजिए : (5×3=15)

Choosing Three compounds from Unit 1 and two compounds from Unit 2, explain total five formations with relevant sutras with their names :

अन्विति 1

सुभ्रम्, पञ्चमद्वयम्, द्विजार्थः, राजपुरुषः, अत्राद्याणः

अन्विति 2

पीताम्बरः, धयस्वदित्, ईशकृष्णौ, पितरौ

P.T.O.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों की व्याख्या कीजिए : (4×2=8)

Explain and illustrate any two of the following sutras :

समर्थः पदविधिः, अब्ययीभावे चाऽकाले, तृतीया तत्कृतार्थेन गुणवचनेन,
नलोपो नञः, अल्पाक्षरम्

8. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पदों में प्रकृति-प्रत्यय स्पष्ट कीजिए :
(5×2=10)

Justify प्रकृति-प्रत्यय in any five compounds of the following :

औपगवः, वासिः, काकम्, दिश्यम्, कण्ठघम्, अङ्गुलीयम्, अत्रममयम्,
गोत्वम्, दण्डी

9. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रकृति-प्रत्ययों को संयुक्त करते हुए
पद-निर्माण कीजिए : (2×3=6)

Among the following प्रकृति-प्रत्यय, combine any three of them to form the respective compounds :

शिक्ष + कुन्, वन्त + पत्, गो + मतुप्, जड + ध्वञ्, दण्ड + ठन्, पण्ड + इतच्

[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4048 C

Unique Paper Code : 12131501

Name of the Paper : Vedic Literature

Name of the Course : B.A. (Hons.) Sanskrit

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. All questions are compulsory

छात्रों को लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

4048

2

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक खण्ड में से एक-एक मन्त्र की व्याख्या कीजिए : (6+6=12)

Explain One Mantra from each section :

खण्ड (क) / Section A

- (अ) अग्निमीळे पुरोहित यजस्य देवमृत्विजम् ।
होतारं रत्नधातमम् ॥
- (ब) उषः प्रसीधी भुवनानि विश्वोर्ध्वं तिष्ठत्यमृतस्य केतुः ।
समानमर्थं चरणीयमाना चक्रमिव नभ्यस्था ववृत्तव ॥

खण्ड (ख) / Section B

- (अ) य आत्नवा बलदा यस्य विश्व उपसते प्रसिषं यस्य देवः ।
यस्य उषामृतं यस्य मृत्युः कन्मै देवाय हविषा विप्रेम ॥

4048

3

- (ब) नीचा वर्तन्ते उपरि स्फुरन्त्यहस्तासो हस्तवन्तं सहन्ते ।
दिव्या अंगारा इरिणे न्युप्ताः शीताः सन्तो हृदयं निर्दहन्ति ॥

निम्नलिखित में से कितनी दो मंत्रों का अनुवाद कीजिए : (12)

Translate any three out of the following Mantras :

- (क) न मां मिमेथ न जिहीळ एषा शिवा सखिभ्य उत मह्यमासीत् ।
अक्षत्याहमेकपरस्य हेतोरनुव्रतामप जायासरोधम् ॥

- (ख) अग्निना रविमभ्रवत् पोषमेव विवेदिवे ।
यजसो वीरवत्तमम् ॥

- (ग) तपसा चीयते ब्रह्म ततः अन्नम् अभिजायते ।
अन्नात् प्राणः मनः सत्यं लोकाः कर्मसु च अमृतम् ॥

उपसु के वैदिक स्वरूप पर प्रकाश डालिए । (10)

Describe the Vedic features of Usas.

अथवा / OR

संज्ञान सूक्त के सामाजिक महत्त्व को स्पष्ट कीजिए ।

Describe the Social importance of Samjnana Sukta.

P.T.O.

4048

4

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी कीजिए : (3+3=6)

Write note on any **Two** of the following :

- (क) ऋत्वार्षिक प्रत्यय
(ख) वैदिक स्वरित
(ग) तुमर्षक प्रत्यय
(घ) वैदिक सुबन्त

5. प्रश्न संख्या एक के खण्ड एक से किसी एक मन्त्र का पदपाठ प्रस्तुत कीजिए।

Render into Padapatha any **One** of the Mantras from section A of question No. 1.

अथवा / OR

पदपाठ के प्रमुख छः नियमों का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

Describe the Six main rules of Padapatha.

6. निम्नलिखित में से प्रत्येक खण्ड में से एक मन्त्र लेकर कुल दो की व्याख्या कीजिए : (6+6=)

4048

5

Explain any **Two** Mantras choosing one from each section :

खण्ड (क) / Section A

- (अ) ब्रह्मा देवानां प्रथमः सम्बभूव विश्वस्य कर्त्ता भुवनस्य गोप्ता ।
स ब्रह्मविद्यां सर्वविद्याप्रतिष्ठानर्थाय ज्येष्ठपुत्राय प्राह ॥
(ब) काली कराली च मनोजवा च मुनीरिता या च सुपुत्रवर्णा ।
स्फुलिगिनीविश्वरूपी च ऐषी लेलापमाना इति सप्त जित्वा ॥

खण्ड (ख) / Section B

- (अ) शिक्षा कल्पो ब्रह्मकरण निरुक्तं छन्दो ज्योतिषमिति ।
अथ परा यथा तदक्षरमपि गम्यते ॥
(ब) यं यं लोकं मनसा संविभ्रति विशुद्धसन्तः कामपते पापं कामान् ।
तं तं लोकं जायते तांश्च कामारत्नमहादायजं ह्यर्धवेद्भुक्तिकान् ॥

7. मुण्डकोपनिषद् के आधार पर परा और अपरा विद्या की व्याख्या कीजिए। (10)

Explain Pra Vidya and Apra Vidya according to Mundkopenishada.

P.T.O.

4048

6

अथवा / OR

मुण्डकोपनिषद् के आधार पर मोक्ष का स्वरूप प्रतिपादित कीजिए ।

Discribe about Moksha according to Mundkopnishada.

6. निम्नलिखित मन्त्र की संस्कृत में व्याख्या कीजिए : (7)

Explain the following Mantra in Sanskrit :

यस्या समुद्र उत सिन्धुरापो

यस्यान्नं कृष्टयः सम्बभूवुः ।

यस्यामिदं जिन्वन्ति प्राणदेजत्

सा नो भूमिं पूर्वपिपे रघातु ॥

अथवा / OR

अग्निना रयिमभनवत् पोषमेव दिवेदिये ।

यज्ञस्य वीरवत्तमम् ॥

(500)